आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :493 पृष्ठ -4 दिनांक 02 जून 2025 दिन सोमवार

सपा सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू की शादी की तारीख तय, इस दिन वाराणसी में लेंगे सात फेरे

समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज और भारतीय क्रिकेटर रिंकू की शादी की तारीख का ऐलान हो गया है. 8 जून को लखनऊ में प्रिया और रिंकू की सगाई है. वहीं, वाराणसी में दोनों 18 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे. यह शादी वाराणसी के होटल ताज से होगी.जाहिर है कि प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की शादी की खबरों से क्रिकेट फैंस में खुशी है तो वहीं रा. जनीति के गलियारों से भी लोग प्रिया सरोज को बधाई दे रहे हैं. दोनों की शादी में क्रिकेट के बड़े सितारे तो दिखेंगे ही, साथ ही राजनीति जगत के बड़े नेता, फिल्मी हस्तियां और उद्योगपति भी इस खुशी में शामिल होंगे.प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की शादी की बात इस साल के जनवरी महीने में ही हो गई थी. रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के परिवार ने खुशखबरी

शेयर करते हुए कहा था कि दोनों बच्चे एक दूसरे को पसंद करते हैं और शादी करना चाहते हैं. इससे दोनों परिवारों में खुशी की लहर आ गई है.समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने खुद यह जानकारी दी थी कि उनकी बेटी प्रिया की एक दोस्त के पिता क्रिकेटर हैं. उन्हीं के जरिए रिंकू सिंह और प्रिया की मुलाकात हुई थी. दोनों काफी समय से एक दूसरे को जानते हैं. बता दें, 26 वर्षीय प्रिया सरोज उत्तर प्रदेश के मछलीशहर से सांसद हैं. इसी सीट से उनके पिता तूफानी सरोज तीन बार के सांसद रहे हैं. वहीं, रिंकू सिंह इंडियन क्रिकेट टीम के बड़े खिलाड़ी हैं, जो टी–20 खेल में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस से जाने जाते हैं.शादी की चर्चा के शुरुआती दिनों में केराकत सीट से विधायक और प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने बताया था कि दोनों परिवारों की मुलाकात अलीगढ़ में हुई थी और यह तय किया गया था कि आईपीएल के बाद शादी की तारीख तय कर ली जाएगी. अब रिंकू और प्रिया 8 जून को एक दूसरे को अंगूठी पहनाएंगे और फिर 18 नवंबर को बनारस में शादी के पवित्र बंधन में बंध जाएंगे.

यूपी के नए डीजीपी को मायावती ने गिनाईं चुनौतियां, योगी सरकार को भी घेरा, दिया बड़ा बयान

यूपी नए डीजीपी राजीव कृष्ण की नियुक्ति के बाद बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने योगी सरकार पर कानून–व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है. बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर लगातार तीन पोस्ट कर राज्य में बढ़ते अपराध और कानून–व्यवस्था पर चिंता जताई है. उन्होंने नए डीजीपी के सामने अपराध नियंत्रण और कानून का राज स्थापित करने की बड़ी चुनौती बताते हुए सरकार से सक्रिय सहयोग की मांग की है.इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी नए कार्यवाहक डीजीपी को लेकर योगी सरकार पर सवाल उठा चुके हैं. और मायावती द्वारा इस तरह की पोस्ट ने अब योगी सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है.मायावती का योगी सरकार पर हमलामायावती ने एक्स अकाउंट पर पहले पोस्ट में कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में से ख़ासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व होने से जा. तिवादी एवं साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय–अत्याचार तथा लोगों को उजाड़ने आदि की कार्रवाइयों से यह साबित है कि यहाँ कानून का राज सही से नहीं चल रहा है. उन्होंने दूसरी पोस्ट में नए डीजीपी राजीव कृष्ण की नियुक्ति का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे माहौल में यूपी पुलिस के नए प्रमुख के सामने राज्य में अपराध नियंत्रण व कानून का राज स्थापित करके सर्वसमाज के लोगों को उचित राहत पहुँचाने का बड़ा चौलेन्ज. राज्य सरकार व सत्ताधारी दल के लोगों को भी यूपी में कानून का राज स्थापित करने में हर प्रकार का सहयोग व सक्रियता जरूरी.तीसरी पोस्ट में मायावती ने यूपी की प्रगति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वैसे भी भारत के बहुआयामी विकास व यहां की विशाल आबादी की समग्र उन्नति में यूपी को देश की प्रगति की रीढ़ होना चाहिए, किन्तु इसके ग्रोथ इंजन बनकर उभरने के बजाय ज्यादातर अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की बदहाली को लेकर निगेटिव चर्चाओं में रहना क्या यह जन व देशहित में उचित?1991 बैच के पी अधिकारी राजीव कृष्ण को शनिवार को यूपी पुलिस का कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया गया है. इससे पहले वे डीजी विजिलेंस और पुलिस भर्ती बोर्ड के चेयरमैन के रूप में तैनात थे. राजीव कृष्ण को अपराध नियंत्रण और हाईटेक पुलिसिंग में उनके योगदान के लिए जाना जाता है.यहां बता दें कि मायावती समय–समय और घटनाओं पर टिप्पणियां कर योगी सरकार और कानून–व्यवस्था पर सवाल खड़े करती रहीं हैं. चूंकि अब यूपी में पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट शुरू हुई है लिहाजा मायावती के तेवर उससे भी जोड़कर देखे जा रहे हैं.

आईपीएस अफसर से डीजीपी बनने का सफर

यूपी पुलिस के नए मुखिया वरिष्ठ आ. ईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण की बतौर पुलिस महानिदेशक तैनाती प्रयागराज के लोगों के लिए भी एक गौरवपूर्ण क्षण है। क्योंकि, आईपीएस के लिए चयनित होने से राज्य के सबसे ऊंचे पुलिस पद तक पहुंचने का उनका सफर प्रयागराज से ही शुरू हुआ था।यूपी पुलिस के नए मुखिया वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण की बतौर पुलिस महानिदेशक तैनाती प्रयागराज के लोगों के लिए भी एक गा. रवपूर्ण क्षण है। क्योंकि, आईपीएस के लिए चयनित होने से राज्य के सबसे ऊंचे पुलिस पद तक पहुंचने का उनका सफर प्रयागराज से ही शुरू हुआ था। पुलिसिंग के बुनियादी गुर उन्होंने यहीं से सीखेइसके बाद फिर आगे बढ़े तो मुड़कर नहीं देखा और यूपी पुलिस के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। आईपीएस राजीव कृष्ण 1991 में आईपीएस के लिए चयनित हुए। 15 सितंबर 1991 को उनकी पुलिस विभाग में ज्वाइनिंग हुई। इसके बाद नवंबर 1992 में बतौर प्रोबेशनरी एएसपी पीटीसी मुरादाबाद में एक महीने के लिए तैनात रहे। पुलिस अफसर बनने का उनका वास्तविक सफर इसके बाद शुरू हुआ।16 दिसंबर 1992 को उन्हें प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) में बतौर प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी तैनाती मिली। इसके बाद करीब सात महीनों तक, यानी सात जुलाई 1993 तक, यहीं तैनात रहकर उन्होंने पुलिसिंग की बुनियादी विधाओं का गहन प्रशिक्षण लिया। यही वह शहर था, जहां उन्होंने अपराध नियंत्रण, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और जन. संपर्क के महत्वपूर्ण पहलुओं को व्यावहारिक रूप में सीखा प्रयागराज धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तो है ही, प्रशासनिक रूप से भी यह एक चुनौतीपूर्ण जिला माना जाता है। यहां मिले अनुभवों ने ही आईपीएस राजीव कृष्ण को शुरुआती दौर में ही एक सक्षम और संवेदनशील अफसर बनने की दिशा में प्रेरित किया। वह खुद कहते रहे हैं कि प्रयागराज में बिताया गया प्रशिक्षण काल उनके पूरे कॅरिअर के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हुआ। प्रशिक्षण काल के बाद उन्होंने प्रदेश के कई प्रमुख और संवेदनशील जिलों में जिम्मेदारियां संभालीं। मेरठ, आगरा, लखनऊ और नोएडा जैसे शहरों में उन्होंने न केवल कानून–व्यवस्था को बेहतर बनाया, बल्कि आधुनिक पुलिसिंग के कई सफल प्रयोग भी किए। शांतिपूर्ण चुनाव संचालन, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना और साइबर क्राइम जैसी नई चुनौतियों से निपटने में उनकी कार्यशैली की खूब सराहना हुई।

यूपी के पूर्व DGP प्रशांत कुमार का भावुक पोस्ट

उत्तर प्रदेश पुलिस पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार ने सेवानिवृत्ति के बाद एक भावुक पोस्ट की है. इसमें उन्होंने अपने समूचे कार्यकाल को याद करते हुए पुलिस महकमे का जिक्र किया है. साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि हमारी वर्दी अस्थायी है लेकिन ड्यूटी हमेशा रहती है.सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रशांत कुमार ने रविवार, 1 जून को लिखा– कल जब सेवा. निवृत्त हुआ तो मेरा दिल कृतज्ञता, गर्व और अपनेपन की भावना से भरा था. यह सिर्फ फेयरवेल नहीं है बल्कि यह रुकने, विचार करने और सेवा की इस असाधारण यात्रा में मेरे साथ चलने के लिए आप सभी को धन्यवाद देने का अवसर है. वर्दी में पहले दिन से लेकर इस मौके तक, मैं हर दिन लोगों की सेवा करने, न्याय को बनाए रखने और अपनी पुलिस के साथ खड़े होने के एक मात्र उद्देश्य के साथ जिया.पूर्व आ. ईपीएस ने लिखा– हम जो करते हैं वह सिर्फ एक नौकरी नहीं बल्कि एक आह्वान है. इस दौरान मुझे आप सभी का साथ देने का सौभाग्य मिला है. भारी बारिश में खड़े होकर ट्रैफिक मैनेज करने वाले कॉन्स. टेबल से लेकर, उस अधिकारी तक जिसने रातों की नींद हराम करके एक केस को सुलझाया. वह टीमें जिन्होंने इनोवेशन पर जोर दिया, आप इस पुलिस की सच्ची आत्मा हैं.पूर्व डीजीपी ने लिखा– मैं उत्तर प्रदेश पुलिस की भव्य तस्वीर का सिर्फ एक धागा रहा हूं, फिर भी आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण होने का एहसास दिलाया. करियर के इन वर्षों में हमने एक साथ त्रासदी से लेकर विजय और परिवर्तन तक देखे. हमने पुलिसिंग को आधुनिक बनाया, साइबर अपराधों का सामना किया और संकटों का जवाब दिया. इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि हमने नागरिकों में खाकी के प्रति विश्वास बहाल किया. मेरे लिए यह सबसे बड़ा पदक है जिसे मैं सेवानिवृत्ति में साथ ले जाउंगा.उन्होंने लिखा कि मैं इस पद को बिना किसी खेद के, गर्व के साथ छोड़ रहा हूं. हो सकता है कि अब मेरे कंधों पर सितारे न हों, लेकिन मैं हमेशा अपने दिल में पुलिस की भावना को लेकर चलूंगा. जैसे–जैसे मैं जीवन के अगले अध्याय में कदम रखूंगा, मेरी प्रार्थनाएं, सम्मान और अटूट समर्थन हमेशा आपके साथ रहेगा. हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि श्वर्दी अस्थायी है. कर्तव्य, सदैव रहते हैं. आप साहस, करुणा और विवेक के साथ सेवा करते रहें.

11 सीनियर अधिकारियों को सुपसीड कर कार्यवाहक डीजीपी बने राजीव कृष्ण बन सकते हैं स्थायी महानिदेशक! जानें

उत्तर प्रदेश में नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अटकलों पर विराम लग गया है. 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण यूपी के नए कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किए गए हैं. यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई है.बीते एक सप्ताह से इस बात की अटकलें जोर–शोर से चल रहीं थीं कि वर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार का सेवा विस्तार हो सकता है, लेकिन शासन ने राजीव कृष्ण को प्रदेश का नया कार्यवाहक डीजीपी बना दिया. वर्तमान में वे डीजी इंटेलिजेंस और पुलिस भर्ती बोर्ड के चेयरमैन जैसे दो पदों की जिम्मेदारियां एक साथ संभाल रहे हैं.राजीव कृष्ण की गिनती शासन के करीबी और भरोसेमंद अफसरों में होती है. डीजीपी के चयन के लिए राज्य सरकार ने पिछले वर्ष पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी जरूर दी थी, पर उसके तहत अब तक समिति का गठन भी नहीं किया गया है. ऐसे में प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार न मिलने की दशा में डीजी विजिलेंस राजीव कृष्ण को डीजीपी का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था.उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाए गए हैं.प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों की सीधी भर्ती परीक्षा में पेपर लीक होने के बाद सरकार ने राजीव कृष्ण को भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी. उन्होंने कुशलता से परीक्षा संपन्न कराई. इससे राज्य सरकार का उन पर भरोसा बढ़ा था.गौतमबुद्धनगर निवासी राजीव कृष्ण ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन से इंजीनियरिंग की है. दो बार राष्ट्रपति का गैलेंट्री अवार्ड प्राप्त कर चुके राजीव कृष्ण का अभी लंबा सेवाकाल है. उनकी सेवानिवृत्ति में चार वर्ष और एक माह का समय अभी बाकी है. इसलिए उनके स्थायी डीजीपी बनाए जाने की पूरी संभावना है.

ग्रेटर नोएडा 3 जून से ओवरहैड टैंक की सफाई शुरू,सप्लाई पर पड़ सकता है असर

ग्रेटर नोएडा में स्वाच पानी की सप्लाई के लिए प्राधिकरण ने बड़ा फैसला लिया है, जिसमें अगले एक महीने तक सभी आ. वरहैड टैंकों की सफाई की जाएगी. इससे कुछ समय के लिए अलग–अलग पानी की दिक्कत हो सकती है. इसके लिए प्राधिकरण ने सभी आवश्यक इंतजाम कर लिए अहिं और लोगों से सहयोग की अपील की है. ये अभियान तीन जून से शुरू होकर 10 जुलाई तक जारी रहेगा. ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की म्म प्रेरणा सिंह ने लोगों से सहयोग की अपील की है. उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल आपूर्ति हमारी प्राथमिकता है. सफाई के दौरान लोग पानी का उपयोग सोच–समझ के करें और इस अभियान में सहयोग करें ताकि सभी को सुरक्षित पेयजल मिल सके.यहां बता दें कि प्राधिकरण ने पहले ही भूमिगत जलाशयों की सफाई शुरू कर दी थी और अब आ. वरहेड टैंकों की सफाई की जाएगी. सफाई के दौरान पानी की आपूर्ति पर असर पड़ सकता है. सुबह के समय आपूर्ति सामान्य रहेगी जबकि दोपहर और शाम को पानी का प्रेशर थोड़ा कम हो सकता है. इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे पानी का स्टोरेज समय से कर और प्रयोग सोच समझ कर.इस दौरान अगर किसी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो प्राधिकरण ने टैंकर सेवा का भी इंतजाम किया है. लोगों के लिए बाकायदा नम्बर जारी किए गए हैं. जिन पर वे फोन करके टैंकर मंगवा सकते हैं.ये हैं नम्बररू7983604110, 9811839456, 9873763995, 9899331572, 9654302913, 8130504019, 8377911380, 9871090100, 8859285804प्राधिकरण ने अलग–अलग सेक्टर के लिए प्लान बनाया है. ताकि कम से कम लोगों को समस्या का सामना करना पड़े. जिन प्रमुख कालोनियों में सफाई होगी उनमें ये शामिल हैं. सिग्मा फोररू 03 जून बिल्डर्स एरिया पी–4 04 जून सेक्टर चाई फोररू 06 जून सेक्टर–37रू 12 जून स्वर्णनगरीरू 13 जून ओमीक्रॉन वनरू 17 जून गामा टूरू 23 जून बीटा टूरू 07 जुलाई इकोटेक थ्रीरू 10 जुलाई इसके अलावा भी लगभग सभी कालोनियों को कवर किया गया है,

गोरखपुर सगाई से एक दिन पहले भीषण हादसा, दूल्हा बनने जा रहे दोस्त समेत चार की मौत

यूपी के गोरखपुर में शनिवार को हुई एक घटना ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए. जहां एक ही बाइक पर सवार चार युवकों को सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और बाइक सवार युवक 10 फीट तक हवा में उछलकर सड़क पर गिर गए. भीषण हादसे में बाइक पर सवार चारों युवकों की मौत हो गई. हादसा ब्ब्ज्ट में कैद हो गया. मृत युवकों की मौत की खबर के बाद उनके घरों में मातम पसर गया. जानकारी के मुताबिक, बड़हलगंज कोतवाली क्षेत्र में गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन पर शनिवार 31 मई को दोपहर ये दर्दनाक हादसा हुआ. हादसे में एक ही बाइक पर सवार चार दोस्तों की मौत हो गई. सिधुआपार ग्राम सभा के गरथौली टोला के पास गोरखपुर–वाराणसी नेशनल हाइवे पर ये हादसा हुआ. चारों दोस्त एक ही बाइक से अपने घर जा रहे थे. गोरखपुर की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही ग्रैंड विटारा कार ने हाइवे पर उन्हें टक्कर मार दी.दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए. दर्दनाक हादसे में सुनील कुमार, प्रदुम्न कुमार, अरविंद कुमार और बड़हलगंज के सिधुआपार के ग्राम करौंदी गथौलिया के रहने वाले राहुल कुमार पुत्र करन कुमार शामिल हैं. चारों दोस्त एक अपाची मोटरसाइकिल से फोरलेन से अपने घर की तरफ जा रहे थे.घटनास्थल पर मौजूद लोग घायलों को सीएचसी लेकर पहुंचे. वहां डॉक्टरों ने प्रदुम्न, सुनील और अरविंद को मृत घोषित कर दिया. राहुल को जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया. राहुल की एक जून को सगाई होनी थी. इसके अलावा मृतक सुनील की दो बेटियां हैं. अरविंद एक सप्ताह पहले ही बैंकॉक से लौटा था.राहुल अपने माता–पिता की इकलौती संतान है. राहुल की एक जून को सगाई तय थी और कुछ दिनों में उसकी शादी होनी थी. इस घटना की खबर से घर में कोहराम मच गया है. उधर कार चालक घटनास्थल से फरार हो गया. पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है. हादसे को अंजाम देकर कार चालक फरार हो गया. कार सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के परिगावां निवासी निवेदिता शुक्ला पत्नी चन्द्रप्रकाश शुक्ला के नाम से आरटीओ में पंजीकृत है

अलीगढ़ दलित बारात कांड पर गरमाई सियासत, सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने सरकार पर बोला हमला

अलीगढ़ जनपद के अतरौली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत काजिमाबाद गांव में बीते दिनों दलित युवती की बारात के आगमन के दौरान हुई मारपीट को लेकर अब मामला गरमाता हुआ नजर आ रहा है, जिसको लेकर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के द्वारा दलित परिवार के परिजनों से मुलाकात की है. इसमें उनके द्वारा मौजूदा सरकार के खिलाफ मोर्चा होते हुए कार्रवाई की मांग की है. रामजीलाल सुमन के द्वारा मोजूदा सरकार पर तंज कसते हुए आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है, साथ ही उनके द्वारा कहा गया जिस तरह से उत्तर प्रदेश में अराजकता का माहौल है ऐसा महसूस हो रहा है जैसे दबंगों का इकबाल काम कर रहा है और सरकार विफल है.दरअसल पूरा मामला थाना अत. रौली के काजिमाबाद का है जहां एक दलित युवती की बारात पर हमले का है. घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है. जब बुलंदशहर जनपद के खुर्जा क्षेत्र से एक दलित युवक की बारात अलीगढ़ के काजिमाबाद गांव में पहुंची थी. लेकिन बारात में खुशी उस समय मातम में बदल गई जब गांव में प्रवेश के दौरान दूल्हे की गाड़ी गलती से एक स्थानीय बच्चे से टकरा गई. इस मामूली टक्कर के बाद जो कुछ हुआ, उससे हड़कम्प मच गया.बताया जा रहा है कि गांव के कुछ स्थानीय प्रभावशाली लोग, जिनका संबंध एक विशेष समुदाय से बताया जा रहा है, इस घटना को लेकर उग्र हो गए. पहले उन्होंने गाड़ी चालक के साथ अभद्रता की, फिर हाथापाई पर उतर आए. स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दूल्हे और उसके परिवार पर भी हमला कर दिया गया. घटना केवल शारीरिक हिंसा तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि लूटपाट का भी आरोप सामने आया है. घटना के तुरंत बाद बारात में शामिल लोग भयभीत हो उठे और विवाह का माहौल

अफरातफरी में बदल गया. कुछ लोगों को गंभीर चोटें भी आईं. पीड़ित परिवार की ओर से थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया. लेकिन अभी तक कोई खास कार्रवाई नहीं हुई.मामले की जानकारी जब सार्वजनिक हुई तो राजनीतिक दलों ने आक्रोश जताया. समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने अतरौली का दौरा किया. शनिवार को उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उनके दर्द को साझा किया. सुमन ने इस हमले को अत्यंत शर्मनाक बताते हुए उत्तर प्रदेश की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए.उन्होंने कहा कि यह केवल एक सामान्य झगड़ा नहीं है, बल्कि समाज में व्याप्त गहरी असमानता और भेदभाव का प्रतीक है. सांसद ने पीड़ितों को सांत्वना देते हुए उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यदि इस मामले में जल्द न्याय नहीं मिला, तो वे इसके खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष करेंगे. रामजीलाल सुमन ने दलितों पर बढ़ते अत्याचार और शोषण पर कहा कहा कि वर्तमान समय में समाज का हर वर्ग आत्म–सम्मान और सम्मानजनक जीवन की अपेक्षा करता है. अब समय आ गया है जब पुरानी मानसिकता और भेदभाव की जंजीरों को तोड़ा जाए. उन्होंने कहा कि हम 21वीं सदी में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन समाज की सोच आज भी कई मामलों में पिछड़ी हुई है.यह घटना केवल एक जातीय समूह से दूसरे समूह की नाराजगी नहीं है बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था में गहराई से बैठी असमानता और विभाजन का नतीजा है. हर नागरिक को संविधान ने समान अधिकार दिए हैं और उन्हें अपमा. नित करने का किसी को भी हक नहीं है. सांसद रामजीलाल सुमन ने इस दौरान योगी सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में शासन का इकबाल समाप्त हो चुका है और राज्य में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के मन में कानून का कोई डर नहीं रह गया है. कहा कि सरकार दलितों और वंचित वर्गों के खिलाफ हो रहे हमलों पर आंख मूंदे हुए है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं.आगे कहा कि सरकार की चुप्पी यह दर्शाती है कि वह अपराधियों के साथ खड़ी है. योगी सरकार में कमजोर वर्गों को न्याय दिलाना एक चुनौती बन चुका है. ऐसे हालात में समाज के बुद्धिजीवियों और संवेदनशील नागरिकों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए. घटना के बाद से गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है. स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है, लेकिन पीड़ित पक्ष का आरोप है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. ग्रामीणों ने बताया कि अभी भी कुछ हमलावर खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे पीड़ित परिवार और उनके रिश्तेदारों में भय व्याप्त है.

हाथरस के कोतवाली सदर क्षेत्र में घटना सामने आई

हाथरस के कोतवाली सदर क्षेत्र में घटना सामने आई है। एक 26 वर्षीय युवक ने एक वृद्ध महिला के साथ घर में घुसकर रेप किया। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।करीब 65 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला जब अपने घर में सो रही थी। इसी दौरान उसका पड़ोसी युवक घर में घुस आया। आरोपी ने इस बुजुर्ग महिला के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के शोर मचाने पर पड़ोसी इकट्ठा हो गए। इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़िता के बेटे ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की।पुलिस ने पीड़िता का कराया डाक्टरी परीक्षणबुजुर्ग महिला के बेटे ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया। पीड़िता का जिला महिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक खुद भी विवाहित है।

मा0 पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने गौ संरक्षण एवं पशुपालन व्यवस्था की समीक्षा की

अलीगढ़1 जून 2025प्रदेश के मा0 मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन श्री धर्मपाल सिंह जी ने रविवार को सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ गौसंरक्षण, पशुपालन सेवाओं, चारागाह प्रबंधन एवं संचारी रोग नियंत्रण संबंधी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। मा0 मंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन तक पहुॅचाने के लिए पशुधन विभाग का महत्वपूर्ण स्थान है। किसान की आय केवल खेती से ही नहीं बल्कि पशुपालन से भी दोगुनी हो सकती है। यदि खेती प्रभावित होती है तो पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने गायों को प्राथमिकता पर रखा है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने निराश्रित गौवंश के संरक्षण के लिए 06 विभाग पंचायतीराज, ग्राम्य विकास, नगर विकास, राजस्व, पुलिस एवं पशुपालन विकास की टीम तैयार कर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गौवंश संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत प्रदेश भर में प्रथम चरण में हाईवे के किनारे बसे ग्रामों में गौवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाई जाएंगी ताकि रात्रि के अंधेरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मा0 मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन श्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौवंश संरक्षण के लिए सभी जिलास्तरीय एवं ग्राम स्तरीय गौशालाओं की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। संचारी रोग नियंत्रण के लिए पशुओं के टीकाकरण एवं उपचार की व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया जाए। चारागाहों की भूमि से अवैध कब्जे तत्काल हटाकर उनका सीमांकन एवं पुनः चारागाह के रूप में विकास कराया जाए। गौशालाओं के संचालन में पारदर्शिता, स्वच्छता एवं हरा चारा–पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि देशी गायों का संरक्षण हम सभी का उत्तरदायित्व है। नस्ल सुधार के लिए क्रत्रिम गर्भाधान निःशुल्क है। उन्होंने सीव.ीओ को निर्देशित किया कि नस्ल सुधार, बधियाकरण योजना, संक्रामक रोगों पर नियंत्रण के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने महिला स्वंय सहायता समूहों के माध्यम से भी गौशालाएं संचालित कराने के निर्देश दिए। एसएफसी पूलिंग की धन. राशि गौशाला हित में सदुपयोग करने के साथ बीडीओ और पशुचिकित्साधिकारी सप्ताह में दो बार गौशाला का निरीक्षण अवश्य करें। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दिवाकर त्रिपाठी ने अवगत कराया कि जिले में 48 पशु चिकित्सालय,104 पशु सेवा केंद्र एवं 90 कृत्रिम गर्भाधान केंद्र संच.ालित हैं। जिले में अब तक 89326 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान एवं 14650 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। 13 पंजीकृत व 15 अपंजीकृत गौशालाओं सहित कुल 117 अस्थाई गौ संरक्षण केंद्रों एवं अन्य आश्रय स्थलों में कुल 31123 गौवंश संरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि गौवंश संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत 2062 लाभार्थियों को 5735 गौवंश वितरित किए गए। 5 वृहद गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जिले में 21 कैटल कैचर एवं 13 मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स संचालित हैं। बहुउद्देश्यीय सचल वाहन सेवा के माध्यम से 54 शिविरों में 1362 पशु चिकित्सा, 8750 टीकाकरण सहित विविध सेवाएं प्रदान की गईं। भूसा प्रबंधन के अंतर्गत अब तक 32956 कुंतल भूसा दान एवं 136262 कुंतल भूसा क्रय कर कुल 169218 कुंतल भूसा का भंडारण किया गया है। चारागाह भूमि में से 1203.31

हेक्टेयर कब्जा मुक्त कराई जा चुकी है, जिसमें हरा चारा व नेपियर घास की बुवाई की गई है। नंद बाबा दुग्ध मिशन एवं नंदिनी कृषि समृद्धि योजना में वर्ष 2024–25 हेतु 76 लक्ष्यों के सापेक्ष 73 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मा. मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को गौ–संरक्षण एवं पशुपालन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निर्देशित किया।बैठक के उपरांत मा० मंत्री जी ने प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि प्रदेश में गौवंश संरक्षण एवं पशुधन विकास सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का उद्देश्य न केवल पशुओं की सुरक्षा व स्वास्थ्य है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाना है।बैठक में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह, मा0 पूर्व सांसद एटा श्री राजवीर सिंह, जिलाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा धर्मवीर सिंह लोधी, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम वित्त प्रमोद कुमार, अपर निदेशक डॉ0 प्रमोद कुमार, डिप्टी सीवीओ डॉ राजेन्द्र सिंह, डॉ प्रीति, डॉ विनोद ढाका, डॉ विपिन राठी, डॉ कैलाश राणा, डॉ प्रभा कटियार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव, समस्त बीडीओ, पशु चिकित्सक, सहायक अभियंता जल निगम, एडीओ पंचायत एवं अन्य अधिकारी उप. स्थित रहे।

जवाहर पार्क मे देहदान कर्तव्य संस्था ने देहदान , नेत्रदान एवं रक्तदान के लिए किया जागरूक

देहदान कर्त्तव्य संस्था के अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ को सदस्य दीपक गुप्ता (कुमार टिम्बर)का फोन आया कि नकबी पार्क में सुबह आयोजित योगा क्लास में आ कर उपरोक्त विषय पर जागरुक करने के वास्ते मानवीय सकारात्मक विचार प्रस्तुत करें। डॉ गौड़ ने एकत्रित समूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योगा उत्तम है। इससे भी बढ़कर दूसरों के सहयोगी बनना जिसमें अपना कतई नुकसान ना हो सर्वोच्च है,अर्थात अंगध्देहध्रक्तदान, मरणोपरांत दान कर ईश्वरी पार्थिव शरीर को जलाने की जगह दान कर उसी के बन्दों को सहयोगी बन रहे हैं। आँखें दान के बाद दो लोगों (जिनको कौरनिया लगाई हैं) की जिंदगी तक जीवित बने रहेंगे। शरीर दान मैडिकल कॉलेज विद्यार्थियों को कुशल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। एक यूनिट रक्तदान से चार लोगों को सहयोगी बनने के साथ स्वयं की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। ऐसा कर स्वयं को आत्म संतुष्टि मिलती है जो कहीं से खरीदी नहीं जा सकती। ऐसे कर्मठ लोगों पर ईश्वरी विशेष कृपा बनी रहती है।डॉ गौड़ ने सभी का आह्वान करते हुए अपना मोबाइल नम्बर देकर कहा कि केवल आप किसी की भी मृत्यु सूचना दें, शेष कार्य निर्विघ्न संस्था करेगी। डॉ गौड़ ने लोगों के प्रश्नों का उत्तर सरल भाषा में दिया।इस अवसर पर सदस्य धीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जागरूकता हेतु ऐसी गोष्ठियाँ होती रहना चाहिए। डॉ ए के शर्मा (नेत्र विशेषज्ञ), एडवोकेट दिनेश मित्तल, एडवोकेट सौरभ अग्रवाल, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, समा. जसेवी दिलीप दामोदर वार्ष्णेय, किरण वार्ष्णेय, आर के शर्मा, रश्मि तिवारी, उर्वशी गुप्ता, अंजू अग्रवाल, नेहा, अजय शर्मा, जगदीश शर्मा, कांता शर्मा आदि बने ।

हाथरस जिले के हसायन थाना क्षेत्र के गांव असोई में शनिवार रात बदमाशों ने एक जूता फैक्ट्री को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया

हाथरस जिले के हसायन थाना क्षेत्र के गांव असोई में शनिवार रात बदमाशों ने एक जूता फैक्ट्री को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। रात करीब 2 से 3 बजे के बीच कुछ अज्ञात बदमाश फैक्ट्री में दाखिल हुए और सबसे पहले वहां तैनात चौकीदार को बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाशों ने फैक्ट्री परिसर में लगे ट्रांसफार्मर को गिराकर उसका सामान निकाला और फैक्ट्री में रखा अन्य कीमती सामान भी समेट ले गए।रविवार सुबह वारदात की जानकारी मिलते ही फैक्ट्री मालिक मोहम्मद फैजान मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। फैजान के मुता.बिक, यह तीसरी बार है जब उनकी फैक्ट्री में चोरी की घटना हुई है। उन्होंने बताया कि पिछली बार चोर फैक्ट्री से मोटर आदि खोलकर ले गए थे, लेकिन इस बार बदमाशों ने न सिर्फ चौकीदार को बंधक बनाया, बल्कि करीब पांच लाख रुपये का सामान भी अपने साथ ले गए।पुलिस जांच में जुटी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और इलाके में संदिग्धों की तलाश जारी है। फैक्ट्री मालिक ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हाथरस में जमकर चले लाठी–डंडे, फायरिंग का आरोपय 6 लोग घायल

हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के गांव भोपतपुर में रास्ते से ट्रैक्टर निकालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठी–डंडे चल गए। इस घटना में 6 लोग घायल हो गए।घटना में बृजेश नाम के व्यक्ति का अपने ही गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ। बृजेश का आरोप है कि एक युवक ने उस पर दुनाली बंदूक से फायरिंग भी की। इस घटना से गांव में अफरातफरी मच गई। दूसरे पक्ष में भी बृजेश व उसके अन्य परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों के गंभीर चोट आई हैं।पुलिस ने भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। पुलिस ने सभी घायलों का डॉक्टरी परीक्षण करवाया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना को लेकर सोशल मीडिया पर फोटो भी वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक बंदूक लहराते हुए भी दिख रहा है।

हाथरस में मां की त्रयोदशी के दिन बेटे की मौतघर में चारपाई पर संदिग्ध हालत में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

हाथरस के सिकंद्राराऊ कोतवाली क्षेत्र में स्थित मूड़ा नौजलपुर गांव से एक घटना हुई है। इस गांव के 50 वर्षीय इंद्रजीत सिंह का शव उनके घर में चारपाई पर मिला। इंद्रजीत की मौत ऐसे समय हुई जब आज ही उनकी मां का त्रयोदशी संस्कार था। वह खेती–बाड़ी कर अपना जीवन यापन करता था।इंद्रजीत सिंह नरेंद्र सिंह के पुत्र थे। उनकी मौत की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृत्यु के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंद्रजीत की मौत से उनकी दो बेटियां अनाथ हो गई हैं। कुछ दिन पहले ही उनकी मां का दे.हांत हुआ था और आज त्रयोदशी के दिन इंद्रजीत की भी मृत्यु हो गई। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा में पड़ने वाले ओम पर्वत का क्या है रहस्य? जानें इसका धार्मिक महत्व

उत्तराखंड में हर साल कैलाश मानसरोवर की यात्रा जून के अंतिम हफ्ते में शुरू की जाती है. मानसरोवर यात्रा का हिंदू धर्म के लोगों के लिए काफी महत्व है. कैलाश मानसरोवर यात्रा की दौरान रास्ते में कई धार्मिक स्थल दिखाई देते हैं. इन्हीं में से एक है श्ऊँ पर्वतश, जो इस यात्रा के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है. ऊँ पर्वत को देखकर मानसरोवर आने वाली यात्री काफी प्रसन्न होता है. आज जानेंगे प्राकृतिक रूप से लिखे ऊँ पर्वत के बारे में, ये पर्वत कैलाश मानसरोवर से कितनी दूरी पर स्थित है? इसका क्या महत्व है?उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के धारचूला तहसील में ये पर्वत मौजूद है. वही समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 5,900 मीटर है. कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु नाभीढांग से इसके दर्शन करते हैं. वहीं ओम पर्वत से कैलाश मानसरोवर 85 किला. `मीटर की दूरी पर स्थित है.ऊँ पर्वत पर प्राकृतिक रूप से बर्फ से ओम लिखा है. कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु इसे भगवान शिव से जोड़ के देखते हैं. ऊँ अक्षर को भोलेनाथ का बीजाक्षर कहा जाता है. ओम पर्वत का धार्मिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि इसी मार्ग पर आगे कैलाश मानसरोवर भी है. पर्वत पर लिखे ओम अक्षर को देखकर श्रद्धालु काफी उत्साहित हो जाते हैं, जो उनकी आगे की यात्रा में उन्हें शक्ति प्रदान करता है. वहीं स्थानीय लोगों के मुताबिक ओम पर्वत की पौराणिक कथा ये कहती है कि, पर्वत पर लिखा ओम अक्षर स्वयं भगवान शिव ने लिखा है. वही एक अन्य पौराणिक कथा ये भी कहती है कि सैकड़ों वर्ष पहले ओम पर्वत पर ऋषि–मुनियों ने घोर तपस्या की थी.ओम अक्षर विशिष्ट धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा के संचार के रूप में देखा जाता है. सनातन धर्म को मानने वाले लोगों के लिए ओम का उच्चारण करना शुभ माना जाता है. ओम पर्वत को लेकर कई यात्रियों ने अपने अनुभव में बताया है कि यहां जाने से उन्हें दिव्य अनुभूति का अहसास होता है. मन में अलग प्रकार की शांति प्राप्त होती है.

सावन शिवरात्रि कब है, यहां जानें तिथि और शिव पूजा का मुहूर्त

पंचांग के अनुसार हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को शिवरात्रि मनाई जाती है, जिसे मासिक शिवरात्रि कहते हैं. हिंदू धर्म में शिवरात्रि को महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है. इस दिन भगवान शिव जी खास पूजा की जाती है, शिवलिंग अभिषेक–जलाभिषेक किया जाता है और भक्त व्रत भी रखते हैं. शिवरात्रि को लेकर ऐसी मान्यता भी है कि इस रात्रि शिव और शक्ति का मिलन होता है. लेकिन सावन महीने में पड़ने वाली शिवरात्रि का विशेष महत्व है. इसे सावन शिवरात्रि कहा जाता है. क्योंकि सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित होता है. ऐसे में सावन माह में शिवरात्रि की पूजा का फल कई गुणा बढ़ जाता है. सावन शिवरात्रि पर की गई पूजा–व्रत का शिव भक्तों को महाशिव. रात्रि के समान फल प्राप्त होता है. इस दिन भक्त रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और पूजा–अराधना करते हैं. आइये जानते हैं इस वर्ष कब है सावन शिवरात्रि.सावन शिव. रात्रि की तिथि को लेकर भक्तों के बीच असमंजस की स्थिति है. बता दें कि इस साल 2025 में सावन शिवरात्रि बुधवार, 23 जुलाई को होगी. यह शुभ तिथि सावन महीने की के 14वें दिन पड़ती है. सावन महीने की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है.चतुर्दशी तिथि आरंभ 23 जुलाई को सुबह 04 बजकर 39 मिनट पर होगा, जिसका समापन अगले दिन 24 जुलाई को रात 02 बजकर 48 मिनट पर होगा. ऐसे में बुधवार 23 जुलाई 2025 को ही सावन शिवरात्रि रहेगी और इसी दिन रात्रि में भगवान शिव की पूजा की जाएगी. बता दें कि शिवरात्रि में रात्रि में चार प्रहर पूजा का महत्व होता है

जून में 15 महत्वपूर्ण त्योहार, 5 ग्रहों का गोचर, क्या–क्या इस महीने खास जानें

जून में कई व्रत और त्योहार आने वाले हैं. इस महीने गंगा दशहरा से लेकर जगन्नाथ रथ यात्रा तक कई व्रत और त्योहार आएंगे. इस महीने निर्जला और योगिनी एकादशी मनाई जाएगी. इसके साथ ही जून में संकष्टी चतुर्थी, ज्येष्ठ पूर्णिमा और आषाढ़ अमावस्या कब मनाई जाएगी.इस महीने में मां दुर्गा की आराधना के लिए गुप्त नवरात्रि का आयोजन होता है, जिसमें दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है. यह साधना गुप्त रूप से की जाती है और आध्यात्मिक रूप से बेहद शक्तिशाली मानी जाती है.इस बार जून में ज्येष्ठ और आषाढ़ मास का संयोग बन रहा है, जिससे इस महीने के पर्व और भी खास हो जाते हैं. इस दौरान गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, वट पूर्णिमा, गुप्त नवरात्रि और जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे कई प्रमुख व्रत और त्योहार मनाए जाएंगे.साल 2025 का जून महीना रविवार के दिन से शुरू हो रहा है और पंचांग के अनुसार 1 जून को ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी तिथि है और इस दिन स्कंद षष्ठी भी है और यह महीना आश्लेषा नक्षत्र में शुरू होगा और इस महीने कई त्योहार और ग्रह गोचर होने वाले हैं.इसके साथ ही जून में बुध, मंगल और सूर्य का गोचर भी होने वाला है और महीने के अंत में जगन्नाथ रथ यात्रा निकलेगी. ऐसे में यह महीना कई व्रत और त्योहारों वाला है. ऐसे में आइये जानते हैं जून में एकादशी, पूर्णिमा, अमावस्या समेत कौन कौन से व्रत त्योहार आने वाले हैं.गंगा दशहरा गंगा दशहरा का पर्व 5 जून को मनाया जाएगा. गंगा दशहरा ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है. गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने, दान पुण्य करने का बड़ा महत्व है. इस दिन गंगा स्नान करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है.निर्जला एकादशीनिर्जला एकादशी का व्रत 6 जून को रखा जाएगा. निर्जला एकादशी श्रेष्ठ मानी जाती है और मान्यता है कि इसका व्रत रखने से सभी एकादशी के बराबर फल मिलता है. इस दिन निर्जल व्रत रखा जाता है. निर्जला एकादशी का पारण 7 जून को होगा.रवि प्रदोष व्रतज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानी 8 जून को प्रदोष व्रत रखा जाएगा. इस दिन रविवार होने की वजह से इसे रवि प्रदोष व्रत के तौर पर मनाया जाएगा. इस दिन भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना होती है. इसके साथ ही रवि प्रदोष व्रत पितृ शांति के लिए भी अहम माना जाता है.वट सावित्री पूर्णिमा व्रतवट सावित्री पूर्णिमा व्रत 10 जून को रखा जाएगा. वट सावित्री पूर्णिमा व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है. मुख्यतः वट सावित्री पूर्णिमा व्रत दक्षिण भारत के राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात में रखा जाता है. जबकि उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ अमावस्या के दिन रखा जाता है.ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रतज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत 11 जून को रखा जाएगा. ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि 10 जून को सुबह 11.35 बजे से 11 जून की दोपहर 1.13 बजे तक रहेगी. ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत संतान के लिए रखा जाता है. इसके साथ ही ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन यानी 11 जून को चंद्रोदय 7.41 बजे होगा. इस दिन संत कबीर जयंती भी है. इसे संत कबीर के जन्मदिवस के तौर पर मनाया जाता है.योगिनी एकादशी योगिनी एकादशी का व्रत 21 जून को रखा जाएगा. योगिनी एकादशी को लेकर मान्यता है कि इसका व्रत रखने वालों के सभी पाप दूर हो जाते हैं और 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर लाभ मिलता है. इसके साथ ही इसे तीनों लोकों में मनाया जाता है.मासिक शिवरात्रिध्सोम प्रदोष व्रतमासिक शिवरात्रि और सोम प्रदोष व्रत 23 जून को रखा जाएगा। सोमवार के दिन त्रयोदशी तिथि आती है तो उस दिन के प्रदोष व्रत को सोम प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाता है. सोम प्रदोष व्रत का पूजा मुहूर्त 23 जून को शाम 7.22 से 9.23 बजे तक है.आषाढ़ अमावस्याआषाढ़ अमावस्या 25 जून को है. आषाढ़ कृष्ण अमावस्या तिथि पितरों के पूजन के लिए अहम मानी जाती है. इसके साथ ही इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने, दान और पुण्य कर्म करने का बड़ा महत्व रहता है.गुप्त नवरात्रगुप्त नवरात्र 26 जून से शुरू हो रहे हैं. इसी दिन सुबह 5. 25 बजे से 6.58 बजे के बीच घट स्थापना की जाएगी. इसके साथ ही अलग–अलग तरह के अनुष्ठान इस दिन किए जाते हैं। मां दुर्गा का पूजन होता है. गुप्त नवरात्र में शारदीय नवरात्र की तरह पूजन और अनुष्ठान किए जाते हैं.श्रीजगन्नाथ रथयात्रा भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 जून को शुरू होगी. इसे ओडिशा राज्य में धूमधाम से मनाया जाता है जगन्नाथ पुरी में रथ यात्रा उत्सव मनाया जाता है और भगवान जगन्नाथ के साथ–साथ उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भी इस दौरान पूजा की जाती है.

इस्लाम में बकरीद का दिलचस्प किस्सा, वे पैगंबर जिनकी कुर्बानी बन गई यादगार

7 जून 2025 को ईद उल अजहा का पर्व बड़े ही हर्ष और उत्साह के साथ देशभर में मनाया जाएगा. इस दिन पैगम्बर इब्रा. हिम की याद में बकरे की कुर्बानी दी जाती है. लेकिन कुर्बानी की शुरुआत कब और कैसे हुई? इस बारे में ईटीवी भारत ने राजगढ़ जिले के ब्यावरा की मदीना मस्जिद के पेश इमाम मुफ्ती शाकिर से बात की. जानिए क्यों मनाई जाती है ईद. सबसे पहले अदा की जाती है नमाज मुफ्ती शाकिर कहते हैं, श्ईद का मतलब होता है खुशी और उत्सव और अजहा का मतलब कुर्बानी देना. इस्लामिक इतिहास के मुताबिक, रसूलुल्लाह () के जमाने में ईद उल अजहा हजरत इब्राहिम अलै. हिस्सलाम की कुर्बानी की याद में शरई तौर पर मनाई गई. जिसमें सुबह ईद की नमाज अदा की जाती उसके बाद कुर्बानी दी जाती है. इससे पहले ईद उल अजहा का कोई त्योहार नहीं था, बल्कि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी की घटना एक मिसाल के तौर पर मौजूद थी. इस्लाम में कुर्बानी को इबादत की शक्ल रसूलुल्लाह के जरिए दी गई है.श्श सबसे अजीज चीज की कुर्बानी मुफ्ती शाकिर आगे कहते हैं कि, श्श्कुर्बानी का वास्तविक मकसद केवल किसी पशु का वध करना नहीं है, बल्कि यह अल्लाह के प्रति पूर्ण समर्पण, आज्ञापालन और त्याग की भावना का प्रतीक है. जिसका मतलब यह है कि, सच्चा मुसलमान वही है, जो अल्लाह के आदेशों के आगे अपना सिर झुका ले और अपने भीतर की बुराइयों को समाप्त करे. अपने अहम, लोभ, क्रोध और पापों का त्याग करे और अपनी सबसे अजीज चीज को भी अल्लाह की खुशी के लिए अर्पित करे.श्श्पैगंबर इब्राहिम ने देखा ख्वाब कुर्बानी की परंपरा की शुरुआत उस समय हुई जब हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने एक ख्वाब (सपना) देखा, जिसमें अल्लाह ने उनसे कहा कि श्श्ऐ इब्राहिम तू मेरी राह में अपनी सबसे खास चीज कुर्बान कर दे. श्श पैगंबर इब्राहिम के लिए सबसे खास उनके बेटा इस्माइल (इस्माइल अलै. हिस्सलाम) थे. ख्वाब के बारे में उन्होंने यह बात अपने बेटे को बताई. जिस पर हजरत इस्माइल ने कहा कि अल्लाह के हुक्म की जल्दी से तामील (आदेश) करें.यादगार बन गई पैगंबर इस्माइल की कुर्बानी चूंकि अपने कलेजे के टुकड़े को कुर्बान होते पैगंबर इब्राहिम अपनी आंखों से नहीं देख सकते थे. इसलिए उन्होंने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली. आंखों पर पट्टी बांधकर अपने बेटे को जबह (वध) करना चाहा तो अल्लाह ने एक मेंढ़े (दुंबे) को भेजकर उसे उनका स्थान दे दिया. इस वाक्या अल्लाह की बा. रगाह में ऐसे मकबूल हुई की यादगार बन गई. उसी दिन से लेकर आज तक हर साल मुसलमान उस परंपरा को निभाते हुए कुर्बानी करते हैं.तीन हिस्सों में बांटा जाता है मांस मुफ्ती शाकिर के मुताबिक, इस दिन कुर्बान किए जाने वाले जानवर के मांस को तीन हिस्सों में तकसीम (बांटा) किया जाता है. जिसमें एक हिस्सा (भाग) अपने लिए एक हिस्सा (भाग) रिश्तेदारों और पड़ोसियों के लिए और तीसरा हिस्सा (भाग) गरीबों वा जरूरतमंदों के लिए होता है. इससे समाज में समानता, दया और भाईचारे की भावना पैदा होती है. बता दें कि पैगंबर इब्राहिम और पैगंबर इस्माइल का जिक्र कुरआन पाक में कई बार हुआ है.आपको बता दें कि, ईद उल अजहा से पूर्व ही इसकी तैयारिया शुरू कर दी जाती हैं. राजगढ़ जिले में बकरी पालन करने वाले किसान बकरों को बेचने के लिए स्वयं जिले के अलग अलग क्षेत्र में लगने वाले हाट बाजार में लेकर पहुंचते हैं और बाजार में चल रहे भाव के मुताबिक अपने बकरे को बेचकर आय अर्जित करते हैं. जिसकी कीमत 20 हजार से शुरू होती है, जो कि लगभग लाखों रूपये तक पहुंच जाती है.

जून के महीने में ग्रहों की चाल का कुछ राशियों के जीवन पर अच्छा प्रभाव

जून के महीने में ग्रहों की चाल का कुछ राशियों के जीवन पर अच्छा प्रभाव देखने को मिल सकता है। इनका आर्थिक पक्ष सुधर सकता है, साथ ही करियर में भी अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जून के महीने में 6 तारीख को बुध का गोचर मिथुन राशि में होगा वहीं 7 जून को मंगल सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य 15 जून को मिथुन में जाएंगे और शुक्र 29 जून को वृषभ में गोचर करेंगे। ग्रह गोचर से किन राशियों को जून में अच्छे परिणाम मिलेंगे इस बारे में आज हम आपको विस्. तार से जानकारी देने वाले हैं।

मिथुन इस महीने में की गई यात्राएं आपको लाभ दिलाने वाली साबित होंगी। नये काम की तलाश में थे तो आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। प्रसन्नता एवं उत्साह का वातावरण अपने आसपास आपको देखने को मिलेगा। व्यवसाय में चली आ रही परेशानियां इस महीने दूर हो सकती हैं। अगर आप निवेश करते हैं तो उससे भी लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, लापरवाही से बचें। परिवार में सुख–शांति इस राशि के जातकों को देखने को मिलेगी। इस महीने आपको अनावश्यक खर्चों से और अपने शत्रुओं से सावधानी बरतनी चाहिए। स्वास्थ्य के लिहाज से भी महीना बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। परिवार के लोगों का सहयोग इस राशि वालों को खुशी देगा।

कर्क अगर किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना रहे थे तो इस महीने सफल हो सकते हैं। सत्संग से इस राशि के जातकों को मानसिक शांति प्राप्त होगी। व्यापार में इस राशि के लोगों को लाभ हो सकता है। कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बन सकती है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यवसाय इच्छित लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी आपका सहयोग करते देखे जा सकते हैं। डूबी हुई रकम वापस मिल सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। माह के अंत में जोखिम भरे कार्यों से बचें। पा. रिवारिक सहयोग मिलेगा इस राशि के जातकों को मिलेगा। हालांकि आपको वाहन चलाते समय सावधानी इस महीने बरतनी चाहिए।

तुला यह महीना आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। कारोबारियों को इच्छित परिणाम इस महीने मिल सकते हैं। हालांकि कृषि क्षेत्र में उतार–चढ़ाव रहेगा। किसी पुराने मित्र से इस महीने मुलाकात होगी। ससुराल पक्ष से सहयोग आपको मिलता दिख रहा है। प्रेम संबंधों में आपको सफलता मिलेगी। कानूनी बाधाएं दूर होंगी। प्रयास और दूरदर्शिता से सहयोग और समर्थन मिलेगा। पत्नी से भी आपको सहयोग मिलेगा। माता को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिल सकती है। नौकरी में कार्यभार और अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। इस महीने आप आसानी से अपने शत्रुओं को परास्त कर सकते हैं।

मकरइस राशि के जातकों को नौकरी में सहकर्मियों से सहयोग मिल सकता है। किसी काम से इस महीने विदेश यात्रा भी आप कर सकते हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की भी संभावना है। तीथ. स्थान की यात्रा हो सकती है। नये वाहन का सुख मिलेगा। आपके जीवनसाथी के लिए यह महीना उन्नति भरा रहेगा। कारोबार अच्छा होगा, जीवन अच्छा चलने लगेगा। नौकरी में तालमेल बना रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। किसी अजनबी से मुलाकात नुकसान पहुंचा सकती है। निवेश से इन महीने आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आपको किसी रिश्तेदार से अचानक लाभ मिलने की भी संभावना है।

कुंभ यह महीना आपको आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएगा। संपत्ति से इस राशि के लोगों को लाभ प्राप्त हो सकता है। लॉटरी से धन मिलने के संकेत हैं। आपको आय के एक से अधिक स्रोत देखने को मिलेंगे।

इस महीने आपको किसी बड़े निवेश में भी सफलता मिल सकती है। नौकरी में अच्छे बदलावों से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस माह आप अपने विरोधियों को परास्त करने में सफल हो सकते हैं। हालांकि वाणी की कड़वाहट कोई भी बनता काम बिगाड़ सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापारियों की योजनाएं इस महीने सफल हो सकती हैं।

मीन जीवन में कोई यादगार मोड़ आ सकता है। आपको वो नौकरी मिल सकती है जिसका आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। नौकरी में परिस्थितियाँ अनुकूल रहेंगी। पैसा आएगा और बचत भी होगी। स्वास्थ्य मिश्रित रहेगा जबकि रोमांस मधुर रहेगा। पार्टनर के साथ पार्टी–पिकनिक–यात्रा आदि का आनंद ले सकते हैं। खिलाड़ियों के लिए समय अच्छा है। अगर आप मीडिया में काम कर रहे हैं तो आपको पुरस्कार मिल सकता है। अगर आप पुलिस में हैं तो इस महीने नए घर में शिफ्ट हो सकते हैं। इस राशि के लोगों के घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान भी इस महीने हो सकता है।

कासगंज खाना बनाते वक्त गैस सिलेंडर मे लगी आग...तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे

कासगंज सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित एक घर में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय निवासियों की मदद से तीनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को गंभीर हालत के चलते अलीगढ़ रेफर कर दिया।कोतवाली क्षेत्र के सोरो गेट स्थित चामुंडा मंदिर के सामने नवाब मोहल्ला गली खाई वाली में हुस्नबानो (45 वर्ष), पत्नी फारूक घर मे खाना बना रही थीं। तभी सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आकर हुस्नबानो, उनका बेटा साहिल (16 वर्ष) और भतीजा हमजा (10 वर्ष) गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय निवासियों की मदद से तीनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ रेफर कर दिया।परिजनों के मुता. बिक आग लगने से घर में रखा लगभग

40 से 50 हजार रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटनास्थल पर सदर क्षेत्राधिकारी आंचल चौहान एवं थाना पुलिस ने पहुंचकर निरीक्षण किया और जिला अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना।

एटा में शराब ठेकेदार ने महज 10 साल की साली से तीसरी शादी की चाहत में छह माह की गर्भवती पत्नी की गला घोंटकर हत्या

एटा में शराब ठेकेदार ने महज 10 साल की साली से तीसरी शादी की चाहत में छह माह की गर्भवती पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। महिला का शव शनिवार रात संदिग्ध अवस्था में बेड पर पड़ा मिला। घटना के दौरान घर के सभी लोग दावत खाने के लिए पड़ोस में गए हुए थे।घटना से कुछ समय पहले ही महिला ने अपनी देवरानी से फोन करके कहा था– मुझे भूख लगी है, खाना लेकर आओ। देवरानी जैसे ही घर पहुंची तो महिला के शव को बेड पर पड़ा पाया। शव के गले, चेहरे और पीठ पर गंभीर चोट के निशान थे।मृतका की बहन रीना ने बताया– हत्या करने के बाद आरोपी पति ढाई साल की बेटी को लेकर फरार हो गया है। फोन करके धमकी दी है कि अगर मेरे खिलाफ पुलिस से शिकायत की तो बेटी को भी जान से मार दूंगा। 7 साल पहले भी शराब ठेकेदार पर अपनी पहली पत्नी की हत्या करने का आरोप लग चुका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।नगला के जैथरा थाना अंतर्गत नगला डांडे गांव निवासी शराब ठेकेदार उपेंद्र (35) की शादी काजल (23) से 2020 में हुई थी। काजल, उपेंद्र की दूसरी पत्नी थी। इससे पहले उसकी सगी बड़ी बहन पूजा की 2009 में उपेंद्र से शादी हुई थी। 7 साल पहले पूजा की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पूजा और उपेंद्र के 3 बच्चे आशिकी (10), अन्नू (7), और अवी (5) हैं।12 साल छोटी साली से कर ली शादीपूजा की मौत के बाद उपेंद्र ने वर्ष 2020 में अपनी उम्र से 12 साल छोटी साली काजल से शादी कर ली। काजल को ढ़ाई साल पहले एक बेटी हुई। आरोप है कि शादी के बाद से ही उपेंद्र मारपीट और मानसिक प्रताड़ना करता था। तंग आकर काजल अपने मायके शमशाबाद (फर्रुखाबाद) चली गई थी।बीते सोमवार को उपेंद्र ससुराल पहुंचा और बहला–फु. सलाकर काजल को अपने साथ वापस ले आया। शनिवार की शाम को गांव में एक दावत थी। पूरा परिवार दावत खाने रात 9.30 बजे चला गया था। काजल घर पर अकेली थी। रात 11.30 बजे काजल ने बहन रानी को फोन करके कहा– मुझे भूख लगी है खाना लाकर दे दो। रात 12.10 बजे रीना खाना लेकर पहुंची तो काजल का शव बेड पर पड़ा हुआ पाया।बहन रानी का आरोपरू पहली पत्नी को भी मारा काजल की बहन रानी ने बताया कि आरा. `पी पति पहले भी अपनी पहली पत्नी पूजा की संदिग्ध हालत में मौत हो चुकी है। फिर उसकी छोटी बहन प्रियंका से शादी की गई, जिससे काजल पैदा हुई थी। अब उपेंद्र 10 साल की नाबालिग बहन नैना से शादी की तैयारी में था। रानी ने बताया कि वह आए दिन बहनों को मारता–पीटता और धमकाता था।5 बहनों में तीसरे नंबर पर थी काजलरीना ने बताया कि हम कुल 5 बहनें हैं, जिसमें से काजल तीसरे नंबर पर थी। पहले नंबर की बहन की शादी भी आरोपी उपेंद्र से हुई थी। दूसरे नंबर पर रानी की शादी उपेंद्र के छोटे भाई निगेंद्र से हुई है। चौथे नंबर की बहन घर पर रहकर मां का हाथ बटाती है। काजल से शादी करने के बाद अब उसकी नजर सबसे छोटी बहन नैना (10) पर थी।पा. `स्टमॉर्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कारण थाना प्रभारी शंभूनाथ ने बताया कि मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वॉड ने जांच की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मौत का असल कारण सामने आएगा। फिलहाल मृतका के परिजनों की तहरीर पर आरोपी पति उपेंद्र और एक बिचौलिये के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है यूपी विधानसभा सचिवालय ने माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास की मऊ विधानसभा सीट को खाली घोषित कर दिया। शनिवार को मऊ डच्च्डस्। कोर्ट ने अब्बास को हेट स्पीच मामले में 2 साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट का आदेश मिलते ही रविवार को विधानसभा सचिवालय खोला गया। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने अब्बास की सदस्यता समाप्त कर दी। साथ ही मऊ सीट को रिक्त घोषित करने का आदेश जारी कर दिया

कासगंज रेलवे स्टेशन पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस कर रही पहचान की कोशिश, 72 घंटे बाद करेगी अंतिम संस्कार

कासगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति बे. होश मिला। यात्रियों ने तुरंत रेलवे सुरक्षा बल (त्व्थ्) को सूचित किया। त्व्थ् ने व्यक्ति को तत्काल कासगंज जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस मृतक की पहचान के लिए प्रयास कर रहीमृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष आंकी गई है। वह स्लेटी रंग की टी–शर्ट और नीली पैंट पहने हुए था। उसके बाल काले हैं और दाढ़ी–मूंछ बढ़ी हुई है। पुलिस मृतक की पहचान के लिए प्रयास कर रही है। वहीं मृतक व्यक्ति के शव का पीएम कराने के बाद उसके शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। जिससे मृतक की पहचान हो सके। अगर उसकी पहचान 72 घंटे तक नहीं हुई तो पुलिस द्वारा शव का अंतिम संस्कार करा दिया जाएगा।

नशीली रसमलाई खिलाकर बेटी–पोती को ले गए

एटा। थाना जैथरा में शाहिद निवासी फगनौल ने अपने दामाद साहिल निवासी छोटा लालपुर थाना रसूलपुर जिला फिरोजाबाद सहित 5 लोगों पर केस लिखाया है। नशीली रसमलाई खिलाकर घर से बेटी–पोती व सामान ले जाने का आरोप लगाया हैशाहिद ने पुलिस को बताया कि 2 साल पहले बेटी नेहा की शादी साहिल से की थी। इन दिनों नेहा और उसकी छोटी बच्ची मायके में थी। 12 मई को रात करीब 9 बजे साहिल अपने साथ अफजाल, इकबाल, आरिफ, अल्फिजा निवासी शेखूपुर जिला बदायूं को लेकर आया। ये लोग अपने साथ रसमलाई लाए थे जो नेहा, उसकी मां अफसाना, उसके भाई अदनान ने खाई और खाकर बेहोश हो गए। इसके बाद ये लोग नेहा की डेढ़ माह की बच्ची व 17 साल की बहन निशा को अगवा कर ले गए। साथ ही बुलेट मोटरसाइकिल, जेवर, नकदी भी ले गए हैं। घर जाकर बात करने का प्रयास किया तो गाली–गलौज करते हुए धमकियां दीं। कहा कि न तो बच्चियों को भेजेंगे और न सामान देंगे। जैथरा थाना प्रभारी शंभूनाथ ने बताया कि पारिवारिक मामला है। आरोपी की जांच कराई जा रही है।

एटा। कासगंज रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में शनिवार को अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया गया। इसमें 14 अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया गया।आईटीआई में सुबह 10. 30 बजे से साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान नोएडा की कंपनी मदरसन सुमी इलेक्ट्रिक वायर एवं भगवती प्रोडक्ट्स लिमिटेड भिवानी टपूकड़ा रा. जस्थान के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। मेले में अप्रेंटिशिप के लिए 35 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। कंपनी के प्रतिनिधि ने साक्षात्कार लेते हुए 14 प्रतिभागियों को चयनित किया स मेले को सफल बनाने में अप्रेंटिशिप प्रभारी मालिखान सिंह, सहायक प्रभारी लोकेश सिंह, जितेंद्र कुमार, सुभाष चंद्र प्रमुख रहे।

एटा। परिषदीय विद्यालयों में निर्माण कार्य 18 पैरामीटर को लेकर किया गया है। सभी स्कूलों में इन पैरामीटर में दिव्यांग शौचालय भी शामिल हैं, लेकिन अभी भी 103 स्कूलों में दिव्यांग शौचालय नहीं बने हैं।बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि 103 परिषदीय विद्यालय ऐसे हैं जहां पर दिव्यांग शौचालय नहीं बना सके हैं। इन विद्यालयों में जगह नहीं होने की वजह से निर्माण नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के बाहर दिव्यांग शौचालय का निर्माण नहीं करा सकते हैं।हालांकि अभी तक इन विद्यालयों में किसी दिव्यांग विद्यार्थी ने पढ़ने के लिए दाखिला भी नहीं लिया है। गौरतलब है कि परिषदीय विद्यालय में 18 पैरामीटर हैं। जिनमें स्वच्छ पेयजल, अलग–अलग महिला–पुरुष शौचालय, पानी की टंकी, रैंप, ग्रिल आदि शामिल हैं।

सिर और भौंह के काटे बाल, निर्वस्त्र कर महिला संग किया ये घिनौना कामय तीन दिन तक बांधकर सामूहिक दुष्कर्म भी

यूपी के एटा जिले से एक महिला को आगरा ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। उससे पहले, महिला के सिर और भौंह के बाल भी काटे। बंधक बनाने के बाद नकदी, मोबाइल फोन और कागजात भी छीनने का आरोप महिला ने लगाया है।उत्तर प्रदेश के एटा जिले से शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। थाना जलेसर में एक महिला ने भानू यादव निवासी रेजुआ सहित नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि इन लोगों ने आगरा ले जाकर बंधक बनाया। नकदी, मोबाइल फोन, कागजात छीनकर सामूहिक दुष्कर्म किया। बाल काटकर निर्वस्त्र घुमाने की कोशिश की। पीड़ित महिला ने रिपोर्ट में बताया है कि वह ब्यूटी पार्लर संचालिका है। पति किसी दूसरी महिला के साथ गुरुग्राम में रहता है। इस वजह से वह मायके में रह रही है। एक व्यक्ति जरूरत पर उसकी आर्थिक मदद कर देता है।इस बात से उसका भाई भानू यादव नाराज रहता है। 21 मई को कस्बा के निधौली चौराहे के पास वह एक दुकान से सामान खरीदने जा रही थी। तभी रास्ते में भानू यादव, चित्रांश और हरिनंदन ने रोक लिया। इनके हाथ में लाठी–डंडे और बंदूक थी। इन लोगों ने डराया–धमकाया और गाड़ी में डाल लिया। अपने घर ले जाकर आंगन में पटक दिया और दरवाजा

बंद करके नग्न कर पीटने लगे। वहां इनके साथ राजकुमारी और ओमादेवी भी शामिल हो गईं।सिर और भौंह के काटे बाल

आरोप है कि इन लोगों ने सिर, भौंह के बाल काट दिए। आंगन में निर्वस्त्र कर घुमाया, बाहर भी ऐसा करने की कोशिश की। चिल्लाने पर एक गाड़ी में डालकर आगरा के दयालबाग के पास कहीं ले गए। हरिनंदन, चित्रांश और भानू यादव ने 4 अन्य लोगों को बुला लिया। जंजीर से बांधा और 24 मई तक किया सामूहिक दुष्कर्म सभी ने मिलकर जंजीर से बांध दिया और 24 मई तक सामूहिक दुष्कर्म किया। 25 मई की रात को लगभग 2 बजे किसी तरह से छूटकर दयालबाग पुलिस चौकी पर पहुंची। पुलिस के साथ घटनास्थल पर गई, मगर अत्यधिक भय की वजह से मकान नहीं पहचान सकी। पुलिसकर्मियों ने 300 रुपये देकर घर के लिए बैठाया। आरोप है कि आरोपियों ने दो मोबाइल फोन, 5000 रुपये, चांदी की बिछिया और आधार व पैन कार्ड सहित सभी जरूरी दस्. तावेज भी छीन लिए। धमकी दी कि जलेसर में दिखाई दी तो काटकर हजारा नहर में फेंक देंगे। सीओ जलेसर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की गहनता के साथ जांच–पड़ताल की जा रही है। जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।